Chaudhary Devi Lal University
Sirsa (Haryana)

(Established by State Legislature Act 9 of 2003)

" B " Grade Accredited by NAAC

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS

M.A. IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

SEMESTER : III

Duration : Two Years

Eligibility : Graduation

2017 Onwards

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

S.No.	Core Courses	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Total Marks
1	प्रथम पत्र	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त	4	70	30	100
2	द्वितीय पत्र	स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी काव्य	4	70	30	100
3	तृतीय पत्	स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास	4	70	30	100
4	चतुर्थ पत्र	हिन्दी साहित्यालोचन	4	70	30	100

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

S.No.	Core Courses	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Tota! Marks
1	प्रथम पत्र	प्रवासी हिन्दी साहित्य	4	70	30	100
2	द्वितीय पत्र	हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य	4	70	30	100
3	तृतीय पत्र	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	4	70	30	100

मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम

S.No.	Core Courses	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Total Marks
1	द्वितीय पत्र	हिन्दी संचार कौशल	4	70	30	100

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

प्लेटो : आदर्शवाद
अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी की अवधारणा
लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त
होरेस : औचित्य सिद्धान्त

खण्ड-दो

कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त
विलियम वडर्सवर्थ : कविता-संबंधी अवधारणा एवं काव्यभाषा सिद्धान्त
क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

खण्ड-तीन

टी.एस.इलियट : परंपरा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धान्त, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
आई.ए.रिचर्डस: मूल्य सिद्धान्त
मैथ्यू आर्नाल्ड : आलोचना-संबंधी अवधारणा

खण्ड-चार

मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

पुस्तक सूची :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. सावित्री सिन्हा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली।
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।
7. प्रगतिशील हिन्दी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. पाश्चात्य काव्य चिन्तन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

द्वितीय पत्र : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15X3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा । प्रत्येक खण्ड में से दो-दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक-एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 3X5 = 15

खण्ड-एक

अज्ञेय : असाध्य वीणा, यह दीप अकेला, कितनी नावों में कितनी बार, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ।

खण्ड-दो

मुक्तिबोध : अँधेरे में, कदम कदम पर।

खण्ड-तीन

नरेश मेहता : संशय की एक रात, समय देवता।

खण्ड-चार

उपर्युक्त तीन खण्डों में दी गई कविताओं/कविता संग्रहों पर आधारित पद्यांशों की व्याख्या।

पुस्तक सूची :

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
2. हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
3. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय पत्र : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15X3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा । प्रत्येक खण्ड में से दो-दो व्याख्यात्मक अंश होंगें जिनमें से परीक्षार्थी को एक-एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अंकों की होगी। 3X5 = 15

खण्ड-एक

अज्ञेय : शेखर : एक जीवनी भाग 1-2

खण्ड-दो

यशपाल : झूठा सच

खण्ड-तीन

अलका सरावगी : कलिकथा : वाया बाइपास

खण्ड-चार

उपर्युक्त तीन खण्डों में दिये गये उपन्यासों पर आधारित गद्यांशों की व्याख्या।

पुस्तक सूची :

1. शेखर एक जीवनी, लेखक – डॉ. गोपाल राम, ग्रन्थ निकेतन, पटना।
2. अज्ञेय और उनका साहित्य, लेखक – डॉ. पूनमचन्द तिवारी, राजश्री प्रकाशन, भोपाल।
3. यशपाल : व्यक्तित्व और कृतित्व, लेखक – डॉ. सरोज गुप्त, अनुराग प्रकाशन, अजमेर।
4. यशपाल के उपन्यास, लेखक – कुमारी स्नेह लता शर्मा, कौशाम्बी प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी उपन्यास : नये क्षितिज, लेखक – डॉ. शशिभूषण सिंहल, प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

मूल पाठ्यक्रम

चतुर्थ पत्र : हिन्दी साहित्यालोचन

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी।

खण्ड-दो

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं रामविलास शर्मा ।

खण्ड-तीन

आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह एवं नगेन्द्र।

खण्ड-चार

दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, निर्मल वर्मा।

पुस्तक सूची :

1. हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ, लेखक – डॉ. रामदरश मिश्र, दि मैकमिलन कंपनी आफ इण्डिया लिमिटेड, दिल्ली।
2. विसंरचनात्मक आलोचना : अर्थ की सर्जना, लेखक – पाण्डेय शशिभूषण, शीतांशु नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य, लेखक – जयचन्द्र राय, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और भारतीय समीक्षा, सम्पादक – सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व, कुमारी पी. वासवदता, युगवाणी प्रकाशन, कानपुर।

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

प्रथम पत्र : प्रवासी हिन्दी साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

भारत से विस्थापन का इतिहास एवं कारण, प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।

खण्ड-दो

हिन्दी में प्रवासी लेखन का आरम्भ, प्रवासी लेखन की प्रवृत्तियाँ।

खण्ड-तीन

लाल पसीना – अभिमन्यु अनन्त (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

केक्टस के दाँत – अभिमन्यु अनन्त

खण्ड-चार

कहानियाँ (कथालंदन, स० सूरजप्रकाश, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली)

1. कोख का किराया - तेजेन्द्र शर्मा
2. घर का ठूंठ – सैल अग्रवाल

पुस्तक सूची :

1. प्रवासी संसार, सम्पादक – राकेश पाण्डेय, दिल्ली।
2. प्रवासी कहानियाँ, सम्पादक – हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी, ।
3. वर्तमान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक), सम्पादक – कुंवरपाल सिंह, अलीगढ़।
4. समकालीन कथा साहित्य : सरहदें व सरोकार, डॉ. रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकुला।

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

द्वितीय पत्र : हरियाणा की लोक संस्कृति एवं साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

लोक संस्कृति की अवधारणा एवं विशेषताएँ, लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन।

खण्ड-दो

हरियाणवी भाषा की विशेषताएँ, हरियाणवी साहित्य का परिचय।

खण्ड-तीन

हरियाणवी भाषा में रचित लोक गीत एवं सांग।

खण्ड-चार

हरियाणा के लोक गीत (खण्ड – 1-2), भाषा विभाग, हरियाणा।

पुस्तक सूची :

1. हरियाणा : संस्कृति एवं कला, लेखक – सन्तराम देशवाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, 2004।
2. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, लेखक – गुणपाल सिंह सांगवान, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 2004 ।
3. हरियाणवी भाषा : स्वरूप और पहचान, विश्वबंधु शर्मा, अनंग प्रकाशन, 2006।
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा, कृष्णदेव उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, 2009।
5. हरियाणा का लोक साहित्य, लालचद गुप्त 'मंगल', सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1998।
6. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, (संपादक) साधुराम शारदा, हरियाणा भाषा विभाग, 1978।
7. हरियाणा का लोक साहित्य, राजाराम शास्त्री, लोक सम्पर्क विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़, 1990।
8. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1960।
9. हरियाणा भाषा का उद्गम तथा विकास, नानकचंद शर्मा, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, 1968।
10. सांग सम्राट पंडित लखमीचंद, राजेन्द्र स्वरूप वत्स, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1991।

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पत्र

तृतीय पत्र : **जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी**

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

जनसंचार – अवधारणा, स्वरूप व विकास, जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार, सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूप।

खण्ड-दो

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं आदि), प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय एवं फीचर आदि), प्रिंट मीडिया की भाषा।

खण्ड-तीन

भाषा की सूचनात्मक क्षमता - सूचना निर्माण, सूचना शैली, सूचना सम्प्रेषण, वाचिक भाषा, लेखक भाषा।

खण्ड-चार

जनसंचार और हिन्दी साहित्य – जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी, जनसंचार माध्यमों से सम्बन्धित हिन्दी साहित्य, इलेक्ट्रोनिक संदर्भ के रूप में हिन्दी का मानकीकरण – आवश्यकता, भाषा नियोजन नीति, भाषा स्थिरता, किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा में अन्तर।

पुस्तक सूची :

1. राजभाषा हिंदी – कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
4. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक।
6. भाषा विज्ञान एवं मानक हिंदी, डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
7. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचन्द पातंजली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड, शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।
10. कंप्यूटर : सिद्धान्त और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।
11. कंप्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
12. रेडियो और पत्रकारिता, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
13. सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।
14. पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दिल्ली, 2002।
15. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1984।
16. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक', वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2000।
17. संचार से जनसंचार – रुपचन्द गौतम, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2005।
18. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2002।
19. इलैक्ट्रानिक मीडिया – पी. के. आर्य, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2006।

तृतीय सेमेस्टर

मुक्त वैकल्पिक पत्र

द्वितीय पत्र : **हिन्दी संचार कौशल**

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100
समय अवधि – 3 घण्टे

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच 05 अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। 5X2=10
2. इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो-दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। 15X4=60

खण्ड-एक

संचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व - संचार के प्रकार एवं सम्प्रेषण के माध्यम, भाषा सम्प्रेषण के चरण, साक्षात्कार, भाषण कला एवं लेखन, पत्र लेखन।

खण्ड-दो

हिन्दी भाषा एवं उसकी बोलियाँ – हिन्दी भाषा का विकास , हिन्दी की बोलियाँ, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी व्याकरण (मुहावरे, लोकोक्तियां, समानार्थक, व विपरीतार्थक शब्द)।

खण्ड-तीन

व्यवहारिक हिन्दी – हिन्दी की सांविधानिक स्थिति, राजभाषा अधिनियम, राष्ट्रपति अध्यादेश पत्र लेखन(सरकारी व अर्धसरकारी)।

खण्ड-चार

अनुवाद एवं सृजनात्मक लेखन – अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद : प्रकृति एवं प्रक्रिया, अनुवाद : वर्गीकरण, व्यावहारिक अनुवाद (अंग्रेजी / हिन्दी), सृजनात्मक लेखन – कविता, कहानी, नाटक, निबन्ध।

पुस्तक सूची :

1. हिन्दी भाषा : उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1961।
2. हिन्दी : उदभव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965।
3. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981।
4. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001।
5. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002।
6. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984।
7. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980।
8. भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान, कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. व्यावहारिक हिन्दी, प्रेमचन्द पतंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
12. राजभाषा हिन्दी, कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।